

युवाओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

हितेश रस्तोगी
शोधार्थी
राजनीति विज्ञान विभाग
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ
ईमेल: hiteshrastogi92@gmail.com

डॉ० योगेन्द्र कुमार विकल
एसोसिएट प्रोफेसर
राजनीति विज्ञान विभाग
आर०एस०एस० (पी.जी.)
कॉलेज, पिलखुवा (हापुड़)

सारांश

वर्तमान डिजिटल युग में सोशल मीडिया युवाओं के सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक तथा राजनीतिक जीवन को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण संचार माध्यम बनकर उभरा है। फेसबुक, व्हाट्सएप, इंस्टाग्राम, एक्स तथा अन्य डिजिटल मंचों के माध्यम से युवा निरंतर सूचनाओं का आदान-प्रदान करते हैं तथा विभिन्न सामाजिक एवं समसामयिक विषयों पर अपनी प्रतिक्रियाएँ व्यक्त करते हैं। प्रस्तुत शोध-पत्र "युवाओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव: एक विश्लेषणात्मक अध्ययन" का उद्देश्य युवाओं के सामाजिक जीवन, पारस्परिक संबंधों, सामाजिक व्यवहार, विचारों, अभिवृत्तियों, जीवनशैली तथा सामाजिक एवं राजनीतिक जागरूकता पर सोशल मीडिया के प्रभाव का विश्लेषण करना है। अध्ययन के अंतर्गत यह समझने का प्रयास किया गया है कि सोशल मीडिया का उपयोग युवाओं के दैनिक जीवन तथा उनके सामाजिक एवं राजनीतिक व्यवहार को किस प्रकार प्रभावित करता है। प्रस्तुत अध्ययन में प्राथमिक तथ्यों के संकलन हेतु सर्वेक्षण पद्धति का प्रयोग किया गया तथा शोधकर्ता द्वारा तैयार संरचित साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से ऑकड़े एकत्र किए गए। प्राप्त ऑकड़ों के विश्लेषण के लिए आवृत्ति के साथ-साथ Simple Linear Regression Analysis का प्रयोग किया गया, जिसके माध्यम से सोशल मीडिया उपयोग और युवाओं पर उसके विभिन्न प्रभावों के मध्य सांख्यिकीय संबंध एवं प्रभाव का परीक्षण किया गया।

अध्ययन के निष्कर्षों से संकेत मिलता है कि सोशल मीडिया युवाओं को त्वरित सूचना प्राप्त करने, विचारों के आदान-प्रदान, सामाजिक संपर्क बनाए रखने तथा विभिन्न सामाजिक एवं राजनीतिक गतिविधियों से जुड़ने के अवसर प्रदान करता है। अतः सोशल मीडिया का प्रभाव बहुआयामी है और इसके सकारात्मक उपयोग के लिए युवाओं में डिजिटल एवं मीडिया साक्षरता का विकास आवश्यक है।

मुख्य शब्द

सोशल मीडिया, युवा, सामाजिक प्रभाव, राजनीतिक सहभागिता, डिजिटल साक्षरता।

Reference to this paper
should be made as follows:

Received: 08.09.2026

Approved: 16.09.2026

हितेश रस्तोगी
डॉ० योगेन्द्र कुमार विकल

युवाओं पर सोशल मीडिया का
प्रभाव: एक विश्लेषणात्मक
अध्ययन

RJPP April 26-Sept.26,
Vol. XXIV, No. II,
Article No. 41
Pg. 382-390

Online available at:
[https://anubooks.com/
journal-volume/rjpp-vol-
xxiv-no2-sept-2026](https://anubooks.com/journal-volume/rjpp-vol-xxiv-no2-sept-2026)

[https://doi.org/10.31995/
rjpp.2026.v24i02.041](https://doi.org/10.31995/rjpp.2026.v24i02.041)

*This article has been peer-reviewed by the Review Committee of RJPP.

परिचय

वर्तमान वैश्विक परिवेश में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के निरंतर विस्तार ने मानव जीवन के सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक पक्षों में व्यापक परिवर्तन किए हैं। इसी परिवर्तनशील परिदृश्य में सोशल मीडिया एक प्रभावशाली डिजिटल माध्यम के रूप में विकसित हुआ है, जिसने सूचना के आदान-प्रदान, विचारों की अभिव्यक्ति तथा सामाजिक अंतः क्रिया की प्रकृति को बदल दिया है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, यूट्यूब, एक्स तथा अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्मों ने व्यक्तियों को सूचनाओं तक त्वरित पहुँच के साथ-साथ अपनी प्रतिक्रियाएँ व्यक्त करने और विभिन्न सामाजिक समूहों के साथ संवाद करने की सुविधा प्रदान की है। इसकी सहज उपलब्धता, त्वरित संचार और सहभागितापूर्ण प्रकृति के कारण सोशल मीडिया विशेष रूप से युवा वर्ग के जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।¹

युवा किसी भी समाज की परिवर्तनशील एवं ऊर्जावान शक्ति होते हैं। उनकी सोच, अभिवृत्ति, व्यवहार और सामाजिक दृष्टिकोण समाज की भावी दिशा को प्रभावित करते हैं। सोशल मीडिया ने युवाओं के सामाजिक जीवन को अनेक स्तरों पर प्रभावित किया है। इसके माध्यम से वे मित्रों, सहपाठियों और विभिन्न सामाजिक समूहों से निरंतर संपर्क बनाए रखते हैं तथा अपने अनुभवों, भावनाओं और विचारों को व्यक्त करते हैं। इससे सामाजिक संपर्क और अभिव्यक्ति के नए अवसर उत्पन्न हुए हैं, परंतु दूसरी ओर सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से प्रत्यक्ष सामाजिक संबंधों में कमी, आभासी संबंधों पर निर्भरता, सामाजिक तुलना तथा समय-प्रबंधन जैसी समस्याएँ भी उभर सकती हैं। इस प्रकार सोशल मीडिया युवाओं के सामाजिक व्यवहार और जीवनशैली को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण कारक बन गया है।²

शिक्षा, ज्ञानार्जन और कौशल विकास के क्षेत्र में भी सोशल मीडिया ने युवाओं के लिए नई संभावनाएँ प्रस्तुत की हैं। शैक्षिक वीडियो, ऑनलाइन व्याख्यान, वेबिनार, डिजिटल अध्ययन सामग्री तथा रोजगार एवं प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित सूचनाओं के माध्यम से युवाओं को ज्ञान और अवसरों तक अपेक्षाकृत सरल पहुँच प्राप्त हो रही है। साथ ही, विभिन्न विचारों, सांस्कृतिक अनुभवों और सामाजिक मुद्दों से निरंतर संपर्क युवाओं की सोच एवं दृष्टिकोण के विस्तार में योगदान कर सकता है। हालांकि, सोशल मीडिया पर उपलब्ध सामग्री की अधिकता के कारण सही और गलत सूचनाओं के बीच अंतर करना एक चुनौती भी है। भ्रामक अथवा अप्रमाणिक सामग्री युवाओं की धारणाओं, अभिवृत्तियों और निर्णय-प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है। इसलिए डिजिटल साक्षरता तथा आलोचनात्मक चिंतन का महत्व बढ़ जाता है।³

सोशल मीडिया का प्रभाव युवाओं की सामाजिक एवं राजनीतिक जागरूकता के क्षेत्र में भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। सामाजिक समस्याओं, सरकारी योजनाओं, सार्वजनिक नीतियों, नागरिक अधिकारों और समसामयिक घटनाओं से संबंधित सूचनाएँ डिजिटल माध्यमों द्वारा शीघ्रता से युवाओं तक पहुँचती हैं। परिणामस्वरूप सामाजिक मुद्दों के प्रति रुचि, सार्वजनिक विमर्श में सहभागिता और नागरिक चेतना के विकास के अवसर बढ़े हैं। महिला अधिकार, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य तथा अन्य जनहितकारी विषयों से संबंधित डिजिटल अभियानों में युवाओं की

भागीदारी सोशल मीडिया की सक्रिय सहभागितापूर्ण प्रकृति को दर्शाती है। इस संदर्भ में सोशल मीडिया युवाओं के विचार निर्माण और सामाजिक-राजनीतिक सहभागिता को प्रभावित करने वाला महत्वपूर्ण माध्यम माना जा सकता है।⁴

सोशल मीडिया के सकारात्मक पक्षों के साथ इसके कुछ नकारात्मक प्रभाव भी चिंता का विषय हैं। अत्यधिक उपयोग से समय की अनुत्पादक खपत, आभासी दुनिया पर निर्भरता, सामाजिक अलगाव तथा व्यवहारगत परिवर्तन जैसी स्थितियाँ उत्पन्न हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त फेक न्यूज, भ्रामक सूचनाएँ, साइबर अपराध, ऑनलाइन उत्पीड़न, निजता संबंधी जोखिम और सामाजिक ध्रुवीकरण जैसी चुनौतियाँ भी डिजिटल वातावरण को प्रभावित करती हैं। विशेष रूप से युवाओं के लिए सोशल मीडिया पर प्राप्त सूचनाओं की विश्वसनीयता की जाँच करना तथा तथ्य और भ्रम के बीच अंतर करना आवश्यक है। अतः सोशल मीडिया के प्रभाव को समझते समय उसके उपयोग की अवधि के साथ-साथ उपयोग के उद्देश्य, सामग्री की प्रकृति और उपयोगकर्ता की डिजिटल समझ को भी ध्यान में रखना आवश्यक है।⁵

युवाओं पर सोशल मीडिया का प्रभाव

वर्तमान युग में सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी का तीव्र विस्तार सामाजिक जीवन के विभिन्न पक्षों को प्रभावित कर रहा है। इंटरनेट के व्यापक प्रसार ने संचार को भौगोलिक सीमाओं से काफी हद तक मुक्त कर दिया है तथा विश्व के विभिन्न समाजों को एक-दूसरे के निकट लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसी परिवर्तन के परिणामस्वरूप 'वैश्विक ग्राम' (Global Village) की अवधारणा को व्यावहारिक आधार प्राप्त हुआ है। इस परिवर्तित संचार परिवेश में सोशल मीडिया एक महत्वपूर्ण डिजिटल माध्यम के रूप में उभरा है। विशेष रूप से युवा वर्ग इसकी व्यापक पहुँच, त्वरित संचार और सहज उपलब्धता के कारण इससे निरंतर जुड़ता जा रहा है। सोशल मीडिया युवाओं को सूचना प्राप्त करने, विचार व्यक्त करने, अन्य लोगों से संवाद स्थापित करने तथा विभिन्न प्रकार की डिजिटल सामग्री साझा करने का अवसर प्रदान करता है।⁶

सोशल मीडिया ऐसे इंटरनेट आधारित मंचों का समूह है, जहाँ उपयोगकर्ता व्यक्तिगत अथवा सामूहिक रूप से सूचनाओं, विचारों, संदेशों, चित्रों, वीडियो तथा अन्य डिजिटल सामग्री का निर्माण, प्रसार और आदान-प्रदान कर सकते हैं। स्मार्टफोन, कंप्यूटर एवं टैबलेट जैसे उपकरणों के माध्यम से इन मंचों का उपयोग अपेक्षाकृत सरलता से किया जा सकता है। सोशल मीडिया की इसी सुगमता ने इसे युवाओं के दैनिक जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बना दिया है। वर्तमान भारतीय सामाजिक परिवेश में युवा इन माध्यमों का उपयोग सामाजिक संपर्क बनाए रखने, मनोरंजन प्राप्त करने, शैक्षिक एवं रोजगार संबंधी जानकारी हासिल करने तथा समसामयिक सामाजिक एवं राजनीतिक घटनाओं से परिचित होने के लिए कर रहे हैं।

सोशल मीडिया का प्रभाव केवल व्यक्तिगत व्यवहार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं की सामाजिक एवं सार्वजनिक सहभागिता को भी प्रभावित करता है। सामाजिक, राजनीतिक और समसामयिक घटनाओं से संबंधित सूचनाएँ सोशल मीडिया के माध्यम से तेजी से प्रसारित होती हैं। परिणामस्वरूप युवा विभिन्न सार्वजनिक मुद्दों के प्रति अपनी रुचि एवं जागरूकता विकसित कर सकते

हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से अभियानों, जन-जागरूकता गतिविधियों, सामाजिक आंदोलनों तथा अन्य सार्वजनिक गतिविधियों में प्रत्यक्ष या डिजिटल रूप से सहभागिता के अवसर भी प्राप्त होते हैं। इस प्रकार सोशल मीडिया युवाओं के लिए केवल मनोरंजन अथवा व्यक्तिगत संपर्क का माध्यम न रहकर सामाजिक एवं सार्वजनिक संवाद का महत्वपूर्ण मंच बन चुका है।⁷

शोध उद्देश्य

1. युवाओं के सामाजिक जीवन, पारस्परिक संबंधों एवं सामाजिक व्यवहार पर सोशल मीडिया के प्रभाव का विश्लेषण करना।
2. युवाओं की सोच, अभिवृत्तियों, जीवनशैली एवं व्यक्तिगत व्यवहार पर सोशल मीडिया के प्रभाव का अध्ययन करना।
3. युवाओं की सामाजिक एवं राजनीतिक जागरूकता तथा राजनीतिक सहभागिता पर सोशल मीडिया के प्रभाव का विश्लेषण करना।

शोध परिकल्पनाएँ

1. सोशल मीडिया का युवाओं के सामाजिक जीवन, पारस्परिक संबंधों एवं सामाजिक व्यवहार पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।
2. सोशल मीडिया का युवाओं की सोच, अभिवृत्तियों, जीवनशैली एवं व्यक्तिगत व्यवहार पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।
3. सोशल मीडिया का युवाओं की सामाजिक एवं राजनीतिक जागरूकता तथा राजनीतिक सहभागिता पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।

अनुसंधान पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन मात्रात्मक एवं अनुभवजन्य प्रकृति का है, जिसमें सर्वेक्षण विधि के माध्यम से प्राथमिक आँकड़े संकलित कर वर्णनात्मक एवं विश्लेषणात्मक सांख्यिकीय तकनीकों का प्रयोग किया गया है। शोध का उद्देश्य युवाओं के सामाजिक जीवन, पारस्परिक संबंधों, सामाजिक व्यवहार, सोच, अभिवृत्तियों, जीवनशैली, व्यक्तिगत व्यवहार तथा सामाजिक एवं राजनीतिक जागरूकता और राजनीतिक सहभागिता पर सोशल मीडिया के प्रभाव का विश्लेषण करना है। अध्ययन की समष्टि में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ में अध्ययनरत युवा विद्यार्थी सम्मिलित हैं। अध्ययन हेतु विश्वविद्यालय के छह विभागों का चयन किया गया तथा प्रत्येक विभाग से 10 उत्तरदाताओं को सम्मिलित करते हुए कुल 60 उत्तरदाताओं का नमूना निर्धारित किया गया। प्राथमिक आँकड़ों का संकलन प्रत्यक्ष सर्वेक्षण के माध्यम से शोधकर्ता द्वारा निर्मित संरचित साक्षात्कार अनुसूची के आधार पर किया गया। अनुसूची में सोशल मीडिया के उपयोग तथा उसके सामाजिक, व्यक्तिगत एवं राजनीतिक प्रभावों से संबंधित प्रश्न सम्मिलित किए गए। प्राप्त आँकड़ों के संपादन, कोडिंग, वर्गीकरण एवं सारणीकरण के पश्चात् वर्णनात्मक विश्लेषण के अंतर्गत आवृत्ति का प्रयोग किया गया। इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया के उपयोग और उससे संबंधित विभिन्न प्रभावों के मध्य संबंध एवं प्रभाव का सांख्यिकीय परीक्षण करने तथा निर्धारित परिकल्पनाओं की जाँच के लिए Simple Linear Regression Analysis का प्रयोग किया गया। इस प्रकार अध्ययन में वर्णनात्मक आँकड़ों के साथ-साथ विश्लेषणात्मक सांख्यिकीय

तकनीक का भी उपयोग किया गया। सभी सांख्यिकीय परीक्षणों के लिए 0.05 (5%) का सार्थकता स्तर निर्धारित किया गया। प्राप्त परिणामों की व्याख्या शोध के उद्देश्यों एवं परिकल्पनाओं के संदर्भ में की गई।

आंकड़ों का विश्लेषण

स्वयं निर्मित साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से उत्तरदाताओं की सामान्य जानकारी के आधार पर किए गए विश्लेषण से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार 40 छात्र एवं 20 छात्राओं ने सर्वे में प्रतिभाग किया, उत्तरदाताओं के धार्मिक आधार पर प्राप्त आंकड़ों में 50 हिंदू एवं 10 मुस्लिम व्यक्तियों ने सर्वे में भाग लिया तथा शैक्षिक आधार पर किए गए वर्गीकरण के आधार पर 18 शोधार्थी, 22 परास्नातक एवं 20 स्नातक के विद्यार्थियों ने सर्वे में भाग लिया।

उपरोक्त सामान्य जानकारी के अतिरिक्त शोधकर्ता द्वारा षोध से संबंधित विभिन्न शोध प्रश्नों के प्रभावों को जानने का प्रयास किया गया है जो निम्न प्रकार है—

Regression Analysis Model 1

Model Summary					
Model	R	R Square	Adjusted R Square		Std. Error of the Estimate
1	0.36	0.129	0.114		0.5245
a. Predictors: (Constant) X: सोशल मीडिया उपयोग					
Coefficients					
स्वतंत्र चर		B	मानकीकृत गुणांक (β)	t	p-value
X: सोशल मीडिया उपयोग		0.408	0.36	2.936	0.005
a. आश्रित चर : Y1: सामाजिक प्रभाव					

Model 1 : सोशल मीडिया उपयोग एवं सामाजिक प्रभाव

प्रतिगमन विश्लेषण के परिणामों से स्पष्ट होता है कि सोशल मीडिया के उपयोग और युवाओं के सामाजिक प्रभाव के मध्य धनात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक संबंध पाया गया। मॉडल में $R = 0.360$ तथा $R^2 = 0.129$ प्राप्त हुआ, जिससे स्पष्ट है कि सोशल मीडिया के उपयोग का चर सामाजिक प्रभाव में विद्यमान लगभग 12.9 प्रतिशत भिन्नता को सांख्यिकीय रूप से स्पष्ट करता है। सोशल मीडिया के उपयोग का मानकीकृत प्रतिगमन गुणांक $\beta = 0.360$ तथा $t = 2.936$, $B = 0.408$ रहा, जबकि p-value 0.005 प्राप्त हुई, जो 0.05 के निर्धारित सार्थकता स्तर से कम है। अतः शून्य परिकल्पना को अस्वीकार करते हुए यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि सोशल मीडिया के उपयोग और युवाओं के सामाजिक जीवन, पारस्परिक संबंधों एवं सामाजिक व्यवहार से संबंधित प्रभाव के मध्य सांख्यिकीय रूप से सार्थक संबंध विद्यमान है। इस प्रकार अध्ययन की परिकल्पना को आँकड़ों से समर्थन प्राप्त होता है।

Regression Model 2

Model Summary				
Model	R	R Square	Adjusted R Square	Std. Error of the Estimate
2	0.501	0.251	0.238	0.57997
a. Predictors: (Constant) X: सोशल मीडिया उपयोग				
Coefficients				
स्वतंत्र चर	B	मानकीकृत गुणांक (β)	t	p-value
X: सोशल मीडिया उपयोग	0.678	0.501	4.411	<0.001
a. आश्रित चर : Y2: व्यक्तिगत प्रभाव				

Model 2 : सोशल मीडिया उपयोग एवं व्यक्तिगत प्रभाव

प्रतिगमन विश्लेषण के परिणामों से स्पष्ट हुआ कि सोशल मीडिया उपयोग और युवाओं के व्यक्तिगत प्रभाव के मध्य सकारात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक संबंध पाया गया ($R = 0.501$, $R^2 = 0.251$, $\beta = 0.501$, $t = 4.411$, $p < 0.001$)। मॉडल यह स्पष्ट करता है कि व्यक्तिगत प्रभाव में लगभग 25.1 प्रतिशत भिन्नता सोशल मीडिया उपयोग से संबंधित है। सोशल मीडिया उपयोग का प्रतिगमन गुणांक ($B = 0.678$) सकारात्मक रहा, जिससे संकेत मिलता है कि सोशल मीडिया उपयोग में वृद्धि के साथ युवाओं द्वारा अनुभव किए जाने वाले व्यक्तिगत प्रभाव के स्तर में भी वृद्धि की प्रवृत्ति दिखाई देती है। अतः परिकल्पना 2 को सांख्यिकीय समर्थन प्राप्त हुआ।

Regression Model 3

Model Summary				
Model	R	R Square	Adjusted R Square	Std. Error of the Estimate
3	0.316	0.100	0.085	0.47148
a. Predictors: (Constant) X: सोशल मीडिया उपयोग				
Coefficients				
स्वतंत्र चर	B	मानकीकृत गुणांक (β)	t	p-value
X: सोशल मीडिया उपयोग	0.317	0.316	2.541	0.014
a. आश्रित चर : Y3: राजनीतिक प्रभाव				

Model 3 : सोशल मीडिया उपयोग एवं राजनीतिक प्रभाव

प्रतिगमन विश्लेषण के परिणामों से ज्ञात होता है कि सोशल मीडिया का उपयोग युवाओं की सामाजिक एवं राजनीतिक जागरूकता तथा राजनीतिक सहभागिता का एक सकारात्मक एवं सांख्यिकीय

रूप से सार्थक पूर्वानुमानक है। मॉडल में $R = 0.316$ तथा $R^2 = 0.100$ प्राप्त हुआ, जिससे स्पष्ट होता है कि सामाजिक एवं राजनीतिक जागरूकता तथा राजनीतिक सहभागिता में लगभग 10 प्रतिशत भिन्नता सोशल मीडिया उपयोग द्वारा समझाई जाती है। सोशल मीडिया उपयोग का $B = 0.317$ तथा $\beta = 0.316$ प्राप्त हुआ। इसका $t = 2.541$ तथा $p\text{-value} = 0.014$ है। चूँकि $p < 0.05$ है, इसलिए सोशल मीडिया उपयोग का प्रभाव सांख्यिकीय रूप से सार्थक पाया गया। “सोशल मीडिया का युवाओं की सामाजिक एवं राजनीतिक जागरूकता तथा राजनीतिक सहभागिता पर सार्थक प्रभाव पड़ता है” अतः परिकल्पना 3 समर्थित होती है।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन का उद्देश्य युवाओं के जीवन में सोशल मीडिया के उपयोग के सामाजिक, व्यक्तिगत तथा सामाजिक-राजनीतिक प्रभावों का अध्ययन करना था। अध्ययन के लिए 15-प्रश्नीय संरचित साक्षात्कार अनुसूची का प्रयोग किया गया तथा सोशल मीडिया उपयोग को स्वतंत्र चर के रूप में और सामाजिक प्रभाव, व्यक्तिगत प्रभाव तथा सामाजिक, राजनीतिक जागरूकता एवं राजनीतिक सहभागिता को आश्रित चरों के रूप में निर्धारित किया गया।

साक्षात्कार अनुसूची की विश्वसनीयता का परीक्षण Cronbach's Alpha द्वारा किया गया। सामाजिक प्रभाव पैमाना का Alpha 0.707, व्यक्तिगत प्रभाव पैमाना का 0.777 तथा राजनीतिक जागरूकता एवं राजनीतिक सहभागिता पैमाना का 0.752 प्राप्त हुआ। तीनों मान 0.70 से अधिक होने के कारण संबंधित पैमाने में स्वीकार्य से अच्छी आंतरिक संगति पाई गई। इससे यह पुष्टि होती है कि साक्षात्कार अनुसूची के items अपने-अपने आयामों को पर्याप्त विश्वसनीयता के साथ मापते हैं और उनसे निर्मित composite scores को regression analysis में उपयोग करना उपयुक्त है।

प्रतिगमन विश्लेषण के परिणामों से अध्ययन की तीनों परिकल्पनाओं को सांख्यिकीय समर्थन प्राप्त हुआ। Model 1 में सोशल मीडिया उपयोग और युवाओं के सामाजिक प्रभाव के मध्य सकारात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक संबंध पाया गया ($R = 0.360$, $R^2 = 0.129$, $\beta = 0.360$, $t = 2.936$, $p = 0.005$)। इसका अर्थ है कि सामाजिक प्रभाव में लगभग 12.9 प्रतिशत भिन्नता सोशल मीडिया उपयोग से संबंधित है। अतः परिकल्पना 1 समर्थित हुई।

Model 2 में सोशल मीडिया उपयोग और युवाओं के व्यक्तिगत प्रभाव के मध्य अपेक्षाकृत अधिक मजबूत सकारात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक संबंध पाया गया ($R = 0.501$, $R^2 = 0.251$, $\beta = 0.501$, $t = 4.411$, $p < 0.001$)। मॉडल के अनुसार व्यक्तिगत प्रभाव में लगभग 25.1 प्रतिशत भिन्नता सोशल मीडिया उपयोग से संबंधित है। यह तीनों मॉडलों में सर्वाधिक explanatory power को दर्शाता है। अतः परिकल्पना 2 भी समर्थित हुई।

Model 3 में सोशल मीडिया उपयोग और युवाओं की सामाजिक एवं राजनीतिक जागरूकता तथा राजनीतिक सहभागिता के मध्य सकारात्मक एवं सांख्यिकीय रूप से सार्थक संबंध पाया गया ($R = 0.316$, $R^2 = 0.100$, $\beta = 0.316$, $t = 2.541$, $p = 0.014$)। इससे स्पष्ट होता है कि इस आयाम में लगभग 10 प्रतिशत भिन्नता सोशल मीडिया उपयोग से संबंधित है। चूँकि $p\text{-value} = 0.05$ से कम है, इसलिए परिकल्पना 3 को भी सांख्यिकीय समर्थन प्राप्त हुआ।

समग्र निष्कर्ष

अध्ययन के समग्र परिणाम यह दर्शाते हैं कि सोशल मीडिया का उपयोग युवाओं के सामाजिक जीवन, व्यक्तिगत व्यवहार तथा सामाजिक-राजनीतिक जागरूकता एवं राजनीतिक सहभागिता से सकारात्मक और सांख्यिकीय रूप से सार्थक रूप से जुड़ा हुआ है। तीनों regression models में B का मान धनात्मक तथा p-value 0.05 से कम प्राप्त हुई। इसलिए अध्ययन की तीनों वैकल्पिक परिकल्पनाओं को समर्थन प्राप्त होता है और संबंधित शून्य परिकल्पनाओं को अस्वीकार किया जाता है।

तीनों आयामों की तुलना करने पर व्यक्तिगत प्रभाव ($R^2 = 25.1\%$) पर सोशल मीडिया उपयोग का संबंध सबसे अधिक स्पष्ट दिखाई देता है, इसके बाद सामाजिक प्रभाव ($R^2 = 12.9\%$) तथा सामाजिक एवं राजनीतिक जागरूकता एवं सहभागिता ($R^2 = 10.0\%$) का स्थान है। इससे संकेत मिलता है कि युवाओं के विचारों, अभिवृत्तियों, जीवनशैली, दैनिक गतिविधियों एवं व्यक्तिगत व्यवहार से संबंधित परिवर्तन सोशल मीडिया उपयोग के साथ अपेक्षाकृत अधिक मजबूती से जुड़े हैं। अतः निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि सोशल मीडिया वर्तमान युवा जीवन का केवल संचार एवं मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह युवाओं के सामाजिक संबंधों, व्यक्तिगत जीवन तथा सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना को प्रभावित करने वाला एक महत्वपूर्ण सामाजिक माध्यम बन चुका है।

सुझाव

1. युवाओं को सोशल मीडिया के अत्यधिक एवं अनियंत्रित उपयोग से बचते हुए समय-प्रबंधन और संतुलित डिजिटल व्यवहार के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।
2. युवाओं को सोशल मीडिया पर उपलब्ध सूचनाओं की विश्वसनीयता की पहचान, तथ्य-जाँच तथा भ्रामक एवं फर्जी सूचनाओं से बचने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए।
3. युवाओं को शिक्षा, ज्ञान-वर्धन, कौशल विकास, सामाजिक जागरूकता तथा रचनात्मक गतिविधियों के लिए सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।
4. युवाओं को ऑनलाइन व्यवहार, व्यक्तिगत संबंधों, जीवनशैली, मानसिक एकाग्रता तथा व्यक्तिगत निर्णयों पर अत्यधिक सोशल मीडिया उपयोग के संभावित प्रतिकूल प्रभावों के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए।
5. शैक्षणिक संस्थानों, सामाजिक संगठनों तथा संबंधित संस्थाओं द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से युवाओं को सामाजिक उत्तरदायित्व, लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक कर्तव्यों तथा रचनात्मक राजनीतिक सहभागिता के प्रति जागरूक करने के प्रयास किए जाने चाहिए।

संदर्भ

1. नरवाल, ग. (2017). सोशल मीडिया से युवा वर्ग पर होने वाले प्रभाव का एक अध्ययन. यूनिवर्सल रिसर्च रिपोर्ट्स, 4(10), पृ0सं0-19-25.
2. सुशील. (2024). सोशल मीडिया और युवा : प्रभाव एवं नियंत्रण. अंतरराष्ट्रीय हिंदी एवं सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका, 12(2). <https://doi.org/10.8855/qw1k2t27>

3. कनौजिया, सु. (2019). सोशल साइट्स का युवाओं पर प्रभाव : एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (अप्रकाशित शोध प्रबंध). काशी हिन्दू विश्वविद्यालय.
4. कुरुक्षेत्र. (2016, अगस्त). सशक्त हो रहे ग्रामीण युवा. कुरुक्षेत्र, 62(10).
5. नरुका, स. (2018). सोशल मीडिया का युवाओं पर प्रभाव. International Journal of Creative Research Thoughts (IJCRT), 6(1), पृ0सं0-292-295.
6. Investopedia. (2021, August 31). Social media: Definition and impact. <https://www.investopedia.com>
7. Civil Services Chronicle. (2019, September). मीडिया व समाज: भूमिका, चुनौतियाँ तथा प्रभाव. (Noida, U. P.), 169.